भारतीय स्टेट बैंक के बारे में

वर्ष 1806 में बैंक ऑफ कलकत्ता के रूप में स्थापित भारत का सबसे पहला बैंक अब में भारतीय स्टेट बैंक के रूप में निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। 200 वर्षों से अधिक की समृद्ध परंपरा वाला यह भारतीय उप-महाद्वीप का पहला वाणिज्यिक बैंक राष्ट्र की हजार खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सशक्तीकरण और इसकी विशाल जनसमुदाय की आकांक्षाओं की पूर्ति में निरंतर सेवारत है।

भारतीय स्टेट बैंक परिसंपत्तियों, जमाराशियों, शाखा, ग्राहक और कर्मचारी संख्या में देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है। यह करोड़ों ग्राहकों के निरंतर विश्वास के साथ आज हर भारतीय का बैंक है।

भारतीय स्टेट बैंक का मुख्यालय मुंबई में स्थित है और यह अपनी विभिन्न शाखाओं और सेवा केंद्रों, संयुक्त उद्यमों, अनुषंगियों तथा सहयोगी कंपनियों के माध्यम से व्यक्तियों, वाणिज्यिक उद्यमों, बड़े कॉरपोरेटों, सार्वजनिक निकायों और संस्थागत ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराता है।

हमारा विज़न

मेरा भारतीय स्टेट बैंक।
मेरा ग्राहक सर्वोपरि।
मेरा एसबीआई: ग्राहक संतुष्टि में प्रथम।

हमारा मिशन

हम अपने ग्राहकों के प्रति तत्पर, विनम्र एवं संवेदनशील रहेंगे।
हम युवा भारत की भाषा बोलेंगे।
हम ऐसी सेवाएं बनाएंगे जो हमारे ग्राहकों के सपनों को पूरा कर सकें।
हम कर्तव्य से आगे जाकर अपने ग्राहकों को यह एहसास कराएंगे कि वे महत्वपूर्ण हैं।
हम देश के सुदूर भागों में भी सेवाएं प्रदान करेंगे।
विदेश-स्थित लोगों को हम वैसी ही सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करेंगे, जैसी भारतवासियों को प्रदान करते हैं।
उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाएंगे।

हमारा मूल्य

हम सदा ईमानदार, निश्छल और नीतिप्रिय रहेंगे।
हम अपने ग्राहकों एवं सहकर्मियों का सम्मान करेंगे।
ज्ञान हमारा मार्गदर्शक होगा।
हम सीखने की प्रक्रिया जारी रखेंगे और प्राप्त ज्ञान का प्रसार करेंगे।
हम कभी सुविधावादी मार्ग नहीं अपनाएंगे।
जिस समाज में हम कार्य करते हैं उसके उत्थान हेतु हम हर संभव प्रयास करेंगे।
हम भारत में गर्व का विकास करेंगे।

भारतीय स्टेट बैंक की उपलब्धिपूर्ण यात्रा

वैयक्तिक बैंकिंग
हम अपने सभी उत्पादों एवं योजनाओं में अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को ध्यान में रख कर आगे बढ़ रहे हैं और निरंतर ऐसा करके हम उनके सहयोग से हमेशा "स्मार्ट बैंक" बने रहेंगे।

कॉरपोरेट बैंकिंग
हमारी कॉरपोरेट बैंकिंग सेवाएं पूर्णतया व्यावसायिक एवं अवरोधमुक्त सेवाएं हैं जो छोटे बड़े सभी आकार के कॉरपोरेट इंडिया को स्टार्ट-अप से लेकर, बीएसई/एनएसई में सूचीकृत 100 कंपनियों , बड़े वैश्विक कॉरपोरेशनों एवं वित्तीय संस्थानों को उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निवेश बैंकिंग
घरेलू बाजारों और संपूर्ण वैश्विक पहुँच दोनों से, हम अपनी निवेश बैंकिंग में बदलाव ला रहे हैं ताकि हम अपने लक्षित ग्राहकों की मदद करना जारी रख सकें जिससे वे अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सके।

1 नम्बर
देश का सबसे बड़ा बैंक (जमाराशियां, अग्रिम, शाखाएं और कर्मचारी)

33.75 करोड़ +
ग्राहक आधार

₹36 लाख करोड़ +
व्यवसाय आकार

एसबीआई ऑनलाइन भारत में सबसे प्रमुख और विश्व की बैंकिंग साइटों में पांचवां स्थान प्राप्त

59,263
देश भर में एटीएम

2.45 करोड़ +
वित्तीय समावेशन खाते जो वर्ष के दौरान खोले गए

होम लोन
बाजार अंश
25.88%

77%
लेनदेन वैकल्पिक चैनलों से

34.50 करोड़ +
स्टेट बैंक समूह डेबिट कार्ड धारक

3.27 करोड़ +
इंटरनेट बैंकिंग प्रयोक्ता

1.98 करोड़ +
मोबाइल बैंकिंग प्रयोक्ता

5.09 लाख +
पीओएस मशीनें

1.12 लाख +
ग्रीन रेमिट कार्ड के माध्यम से औसत दैनिक लेनदेन

1,426
गांव जो एसबीआई का अपना गांव योजना के तहत अपनाए गए

5.85 करोड़ +
रुपे डेबिट कार्ड जो वर्ष के दौरान प्रधान मंत्री जन धन योजना के तहत जारी किए गए

8.57 करोड़ +
प्रधान मंत्री जन धन योजना खाते

वैयक्तिक खंड में अब देशगत ऋणों का अंश 30%

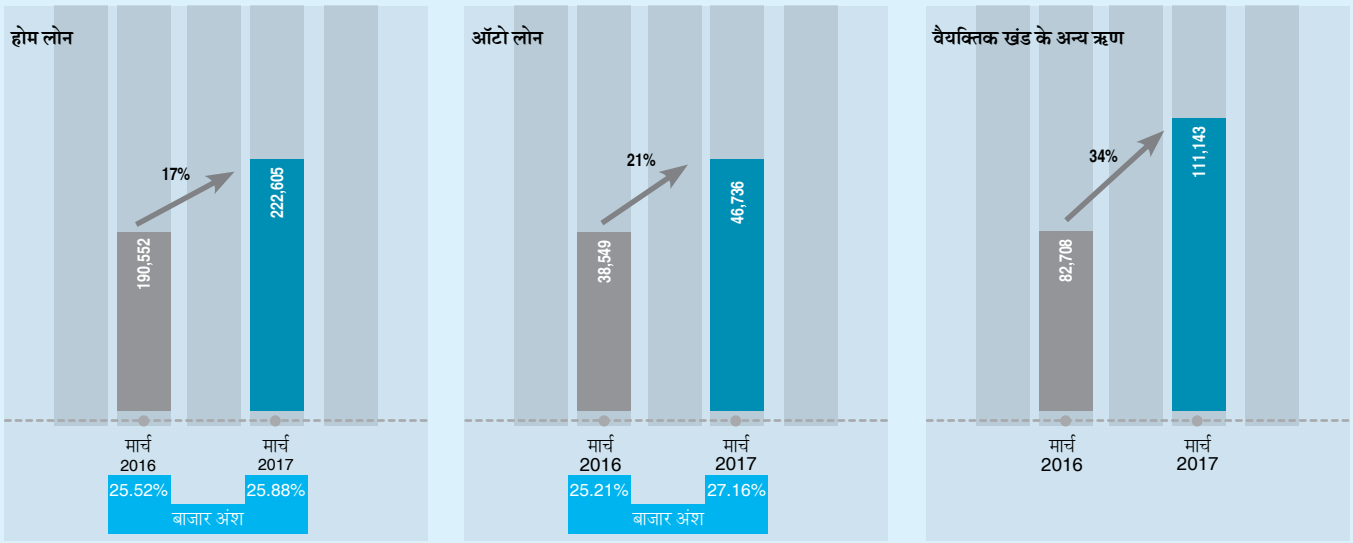

चिरस्थायी मूल्यों का सृजनकर्ता

एसबीआई में हम जानते हैं कि किसी भी संस्था के लिए आत्मसुधार की प्रक्रिया कितनी जरूरी होती है। यह हमारे लिए भी आवश्यक है कि बैंक के भीतर, संगठन के ताने बाने को निरंतर मजबूत बनाने के लिए भी सुधार किया जाए। देश की अर्थव्यवस्था विशेषकर बैंकिंग क्षेत्र की मौजूदा समस्याओं और चुनौतियों से भी हम भलीभांति अवगत हैं। हम अपने को बेहतर बनाने और अपने में बदलाव लाने के लिए हमेशा प्रयास करते रहे हैं। हमारे इन प्रयासों में अपने संगठन, कार्यकलाप और कार्य संस्कृति से इष्टतम परिणाम प्राप्त करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट परिलक्षित होती है। खास तौर से हमारा ध्यान हमेशा ऐसा सामंजस्य बनाने पर रहा है जिससे जोखिमों को निरंतर नियंत्रित रखा जा सके, विकास की गति भी तेज रहे और लाभप्रदता भी बढ़ती रहे।

अपने इस ध्येय की प्राप्ति के लिए हमने अपने कारोबार के तौर-तरीकों में आमूल-चूल बदलाव लाए हैं, जिससे हमें बैंकिंग कारोबार में उत्कृष्टता के उच्च मापदंड हासिल करने में मदद मिली है। हमने अपनी प्रक्रियाओं का पुनर्निर्धारण किया है और इन्हें ज्यादा से ज्यादा कारगर बनाया है। टेक्नोलोजी के क्षेत्र में आधुनिकतम तकनीकी विकास का लाभ लेकर ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने का प्रयास किया है। हमने गुणवत्तापूर्ण ऋण कारोबार जुटाने और पूंजी का इष्टतम आबंटन करने के लिए सुनियोजित कार्य नीतियां भी लागू की हैं। इसके अतिरिक्त, हमने 1 अप्रैल 2017 को अपने सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक के साथ विलय कर अपने कार्यकलापों में बेहतर सामंजस्य लाने और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का एक ऐतिहासिक कदम भी उठाया है। हमें पक्का विश्वास है कि इन युगांतरकारी प्रयासों से हम अपने हितधारकों के लिए पहले के मुकाबले अधिक मूल्यवान और निरंतरतापूर्ण प्रतिफल सुनिश्चित कर पाएंगे।

इस कायाकल्प के सकारात्मक परिणाम दिखाई देने लगे हैं। हम अपने गौरवपूर्ण भविष्य के प्रति पूर्णतया आश्वस्त हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम चिरस्थायी मूल्यों के सूत्रधार और अपने निवेशकों के लिए उत्कृष्टतापूर्ण दीर्घावधि धन-संपत्ति के सृजनकर्ता के रूप में उभरेंगे।

विकास में सहयोगी और मूल्य सृजन के लिए समर्पित

... युगांतरकारी नीतियों के साथ उभरता एक एकीकृत महासंगठन

अपने ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य का सृजन करने के लिए हमने आधुनिकतम डिजिटल टेक्नोलोजी को उपयोग में लाने की शुरुआत की है। हमने अपनी प्रक्रियाओं में भी परिवर्तन किया है, जिससे ग्राहक को कम लागत और बेहतर उत्पादकता का लाभ मिल सके।

13%
पिछले वर्ष से इन्टरनेट बैंकिंग में वृद्धि

44.37%
मोबाइल बैंकिंग का बाजार अंश (लेनदेनों का मूल्य)

हम आपके बैंक को पूर्णतया डिजिटल संगठन के रूप में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने इस ध्येय में हम पिछली पंक्ति के कार्यकलाप के लिए भी आधुनिकतम टेक्नोलोजी का उपयोग कर रहे हैं।

अपने ग्राहकों को बेहतर मूल्य देने के लिए हमने अपने डिजिटल बैंकिंग प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है और इसमें प्रक्रियागत परिवर्तन किए हैं, जिससे ग्राहकों को कम लागत और अधिक उत्पादकता का लाभ मिल सके। हम उत्पादों, सेवाओं और कारोबार के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को निरंतर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम पिछली पंक्ति के कार्य व्यापार में भी आधुनिकतम टेक्नोलोजी का उपयोग निरंतर बढ़ाते जा रहे हैं।

आज के दौर में अद्वितीय और आनंदपूर्ण ग्राहक अनुभव अधिक महत्वपूर्ण है। केवल बैंकिंग सेवाएं ही प्रदान कर देना पर्याप्त नहीं है। हमने अपने ग्राहकों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें सशक्त बनाया है। व्यक्तिगत पसंद और साधनों की उपलब्धता अलग अलग हो सकती है, पर हमने अपने ग्राहकों को पारंपरिक नकद लेनदेन और शाखा आधारित बैंकिंग के स्थान पर नए युग की इंटरनेट उन्मुख टेक्नोलोजी और मोबाइल आधारित बैंकिंग समाधान उपलब्ध कराए हैं।

इसके अतिरिक्त, टेक्नोलोजी के विकास के साथ शाखा बैंकिंग अपेक्षाकृत नए डिजिटल चैनलों की तुलना में उतनी किफायती नहीं रह गई है। एसबीआई में सभी उपलब्ध डिजिटल चैनलों के उपयोग की आवश्यकता को समझकर हम सभी प्लेटफॉर्मों पर अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहे हैं। हमने अनेक प्रकार की नवोन्मेषी टेक्नोलोजी भी उपलब्ध कराई है। कई तरह की नई डिजिटल सेवाएं शुरू करने का कार्य प्रक्रियाधीन है। लाखों व्यापारी एसबीआई से जुड़कर लाभान्वित हो रहे हैं। एसबीआई पे (जो एक मोबाइल आधारित पेमेंट सॉल्यूशन है जो एनपीसीआई के यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सिस्टम पर काम करता है) और स्टेट बैंक बड़ी जिसे किसी भी कॉरपोरेट पेमेंट इंटरफेस के साथ जोड़ा जा सकता है, के जरिये हाल ही में एसबीआई द्वारा डिजिटल कलेक्शन करने की सुविधा भी प्रदान की गई है।

इसके साथ-साथ, सरकार के विमुद्रीकरण अभियान से डिजिटल बैंकिंग की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। एसबीआई हर भारतीय का बैंक होने के नाते बैंकिंग क्षेत्र में सभी प्रकार के डिजिटल चैनलों की शुरुआत करने में सबसे आगे है। विमुद्रीकरण के बाद हमारे डिजिटल चैनलों से लाखों भारतीयों को आसानी से, तेजी के साथ और सुरक्षित ढंग से कैशलेस होने में मदद मिली है। विमुद्रीकरण का हमारे डिजिटल लेनदेनों की मात्रा पर व्यापक प्रभाव हुआ है और इसमें नवंबर 2016 के बाद भारी वृद्धि हुई है।

डिजिटलीकरण से ग्राहक केंद्रित कारोबारी प्रक्रियाओं के संपन्न होने से ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने में मदद मिली है। टेक्नोलोजी से जुड़े उपकरणों का उपयोग बढ़ने और दुनिया भर में बढ़ती अपेक्षाओं के अनुरूप चलने के लिए हमारी पिछली पंक्ति की प्रक्रियाओं का व्यापक डिजिटलीकरण अनिवार्य हो गया है। इस कारण हमने अनेक प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करने का निर्णय किया है।

इस डिजिटल ढांचागत परिवर्तन के अनुरूप हम व्यवसाय-वृद्धि मॉडल का पुनर्निर्धारण कर रहे हैं। कारोबार को बड़े पैमाने पर उपलब्ध डेटा के साथ जोड़ने की शुरुआत करके हम ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप समकालिक और भावी आवश्यकताओं की पूर्ति की योजना तैयार कर रहे हैं। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए सीआरएम टूल के उपयोग की शुरुआत करने का कार्य प्रक्रियाधीन है, जिसमें वित्त वर्ष 2018 से एनालिटिक्स और डंटैलिजेंस डेटा का उपयोग किया जाएगा।

हमारा मानना है कि इन डिजिटल साधनों एवं टेक्नोलोजी और नई तथा त्वरित प्रक्रियाओं से एसबीआई की बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता और सामान्य बैंकिंग समय में पूर्ण परिवर्तन लाया जा सकेगा। इसके अनेक लाभ है। सूचना आधारित प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करने से लागत में भारी कमी लाई जा सकेगी और बैंकिंग कारोबार भी पहले की तुलना में जल्दी संपन्न होने लगेगा। इससे हमारे बैंक की दक्षता और उत्पादकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है और यह चिरस्थायी मूल्य सृजनकर्ता बनने के लिए अत्यंत आवश्यक भी है।

चैनल	बाजार अंश (%) एसबीआई
समूह एटीएम की संख्या	28.44
समूह एटीएम: लेनदेन की राशि	38.84
समूह डेबिट कार्डों की सख्या	40.35
मोबाइल बैंकिंग: लेनदेनों की संख्या	24.67
मोबाइल बैंकिंग: लेनदेनों का मूल्य	44.37
पीओएस की संख्या	20.16

नकदी से डिजिटल की ओर
लेनदेनों का हिस्सा (%)

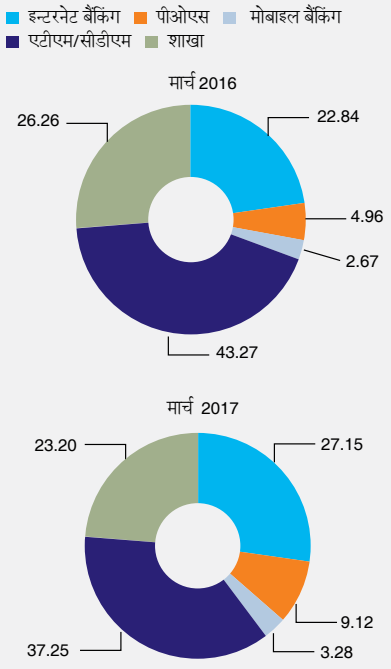

डिजिटल लेनदेन में वृद्धि 74% मार्च 2016 से 77% मार्च 2017

विकास में सहयोगी और मूल्य सृजन के लिए समर्पित

... बैंकिंग महासंगठन के नवनिर्माण के लिए विशेषज्ञता विकसित करने हेतु संकल्पबद्ध

एसबीआई की सफलता के केंद्र में रहा है इसका मानव संसाधन और हम उन पर निवेश करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं, ताकि वे निरंतर बेहतर परिणाम देते रहे।

2,09,572
टीम संख्या

प्रतिदिन कर्मचारी प्रशिक्षण कक्ष क्षमता
3,400

समावेशी और विविधतापूर्ण संस्कृति के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत, जिससे सभी सहकर्मी अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग कर संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकें।

किसी भी कारोबार की वृद्धि और विकास के लिए एक क्षमतावान मैनेजमेंट टीम का होना अत्यंत आवश्यक है। एसबीआई में हमारा मैनेजमेंट दल हमारी सबसे बड़ी ताकत है। बैंक के पास सर्वोत्तम श्रेणी की एक अनुभवी मैनेजमेंट टीम है, जो प्रतिबद्ध मूल्य सृजनकर्ताओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, उन्हें मार्गदर्शन देने और उन्हें उनके विकास के लिए कुशल नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम है। बैंक के शीर्ष प्रबंधन का समस्त करियर एसबीआई को अपनी कुशल सेवाएं देने में समर्पित रहा है। इन्हें बैंकिंग के प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करने का विशद अनुभव है। इन सभी को विभिन्न प्रकार के बैंकिंग कारोबार को संचालित करने का प्रशिक्षण और अनुभव प्राप्त है। हमने ज्ञान और कौशल विकास को सदैव सबसे महत्वपूर्ण माना है। हम निरंतर सीखने, अपनी मानव संसाधन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। हमने कारोबार की वर्तमान और भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी क्षमताओं को विकसित करने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा है।

हम अपने कर्मचारियों के व्यावसायिक विकास पर निवेश करने, उन्हें नवीनतम टेक्नोलोजी विकास के प्रति जागरूक रखने के लिए सदैव प्रयासरत रहे हैं। इससे वे हमारे ग्राहकों को उच्च प्रभाव वाली सेवा दे पाते हैं, जिससे हमारा व्यापक विकास सुनिश्चित हो पाता है। इसके अतिरिक्त, हमारा प्रत्येक कर्मचारी की कार्य प्रकृति और भूमिका के आधार पर उसके सेवाकाल के प्रत्येक स्तर पर विशेषीकृत प्रशिक्षण देने पर भी ध्यान रहा है। एसबीआई में प्रत्येक कर्मचारी को अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे बौद्धिक संसाधन परिचालन के सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ बैंकिंग प्रथाओं से सुसज्जित हों। ऐसे कर्मचारी केन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य तकनीकी एवं प्रबंधकीय क्षमताओं में वृद्धि करना है। सघन प्रशिक्षण भी प्रत्येक कर्मचारी को नेतृत्व कुशलताएं विकसित करने हेतु महत्वपूर्ण विकास अवसर उपलब्ध कराते हैं। बैंक में प्रत्येक संभावित नेतृत्व के लिए व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम तैयार करने की प्रकिया जारी है जिससे उन्हें सशक्त एवं विकास पथ पर अग्रसर किया जा सके।

... सदैव ग्राहकों पर ध्यान जो प्रतिलाभ प्राप्ति में सहायता करते हैं

एक चिरस्थायी बैंक बनने के लिए जरूरी है कि हम गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय वृद्धि के लिए प्रयासरत रहें और अपना ध्यान ग्राहकों पर केंद्रित रखें जो बेहतर प्रतिलाभ प्राप्ति में सहायता करते हैं।er returns.

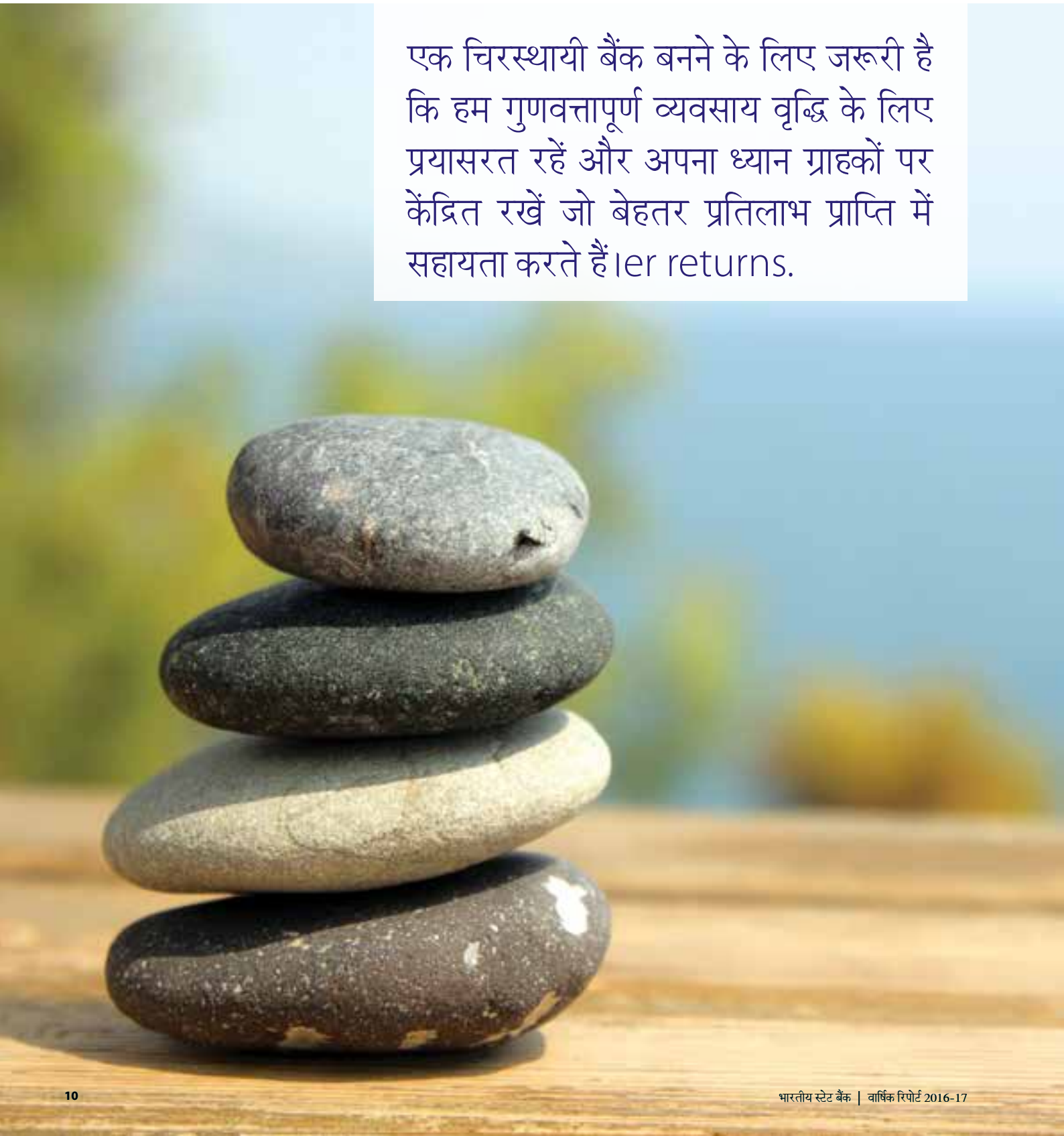

एसबीआई का प्रयास रहता है कि ऐसी परिसंपत्तियों को बढ़ाने में धीरे चलें जो ज्यादा जोखिम भार वाली हैं और जिन पर ज्यादा पूंजी खर्च होती है।

कॉरपोरेट पूंजी खर्च में समग्रतः धीमे चलने का बड़े और मझौले आकार वाले कॉरपोरेटों को ऋण देने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए हमने निर्णय लिया है कि हम रिटेल ऋणों पर अधिक ध्यान दें। इन प्रयासों का लक्ष्य ऐसी परिसंपत्तियों को बढ़ाने पर धीरे चलने से है जो ज्यादा जोखिम भार वाली हैं और जिन पर ज्यादा पूंजी खर्च होती है।

कॉरपोरेट ऋणों का जहां तक संबंध है, बैंक की इन पर अधिक निर्भरता रही है पर इनके द्वारा ऋण मांग में नरमी तथा बैंक द्वारा ऋण देने में कम उत्साह दिखाए जाने के चलते ऋण वृद्धि जोर नहीं पकड़ पाई जबकिa पिछले वर्ष ब्याज दरों में भारी गिरावट देखी गई। इसके अतिरिक्त एसबीआई में अच्छे रिकॉर्ड वाले उच्च रेटिंग प्राप्त कॉरपोरेटों को नए ऋण चुनिंदा मामलों में ही अनुमोदित किए गए। एसबीआई कॉरपोरेटों की इन चुनौतियों को समझता है और गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों में धीरे धीरे सुधार होने की उम्मीद है। इस बीच हमारा ध्यान अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता को बनाए रखने पर रहा है रिटेल खंड का वित्त वर्ष 2017 में बैंक के ऋण कारोबार को निरंतर बढ़ाने में बड़ा योगदान रहा है। आवास ऋण रिटेल ऋणों में 58% से अधिक हैं। हमारे आवास ऋणों में 17% की वृद्धि हुई है और मार्केट शेयर शानदार 25.88% रहा। ऑटो ऋण व्यवसाय ने भी इसी तरह की प्रवृत्ति दिखाई और 21% की वृद्धि दर्ज की है। इस व्यवसाय में भी हमारा बाजार अंश 27.16% रहा। रिटेल खंड में हमारी सफलता का कारण हमारी व्यापक पहुंच, ग्राहक अनुभव बढ़ाने में डिजिटल टेक्नोलोजी का उपयोग; और ऋण वितरण के पहले ऋण प्रस्तावों का कड़ाई से मूल्यांकन करना रहा।

चिरस्थायी बैंक मूल्य सृजनकर्ता बनने के लिए हम गुणवत्तापूर्ण ऋणों की वृद्धि के लिए प्रयासरत रहे हैं और हमारा ध्यान निरंतर ग्राहकों पर रहा है जो बेहतर प्रतिलाभ सुनिश्चित करने में हमारी सहायता करते हैं। हम अपने रिटेल चैनलों और उत्पादों के लिए नई नीतियां तैयार कर रहे हैं जिससे हम और अधिक ग्राहक हितैषी बन सकें। हमारा प्रयास रहा है कि हम सभी चैनलों में ग्राहकों के लिए निरंतर और निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करें। अपने डिजिटल टेक्नोलोजी प्लेटफॉर्म के कारण हम अपनी समग्र सेवाप्रदायगी बढ़ा पाए हैं। आज हमारे रिटेल कारोबार का अपनी परिसंपत्तियों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की नीति को अपनाने में बड़ा योगदान रहा है।

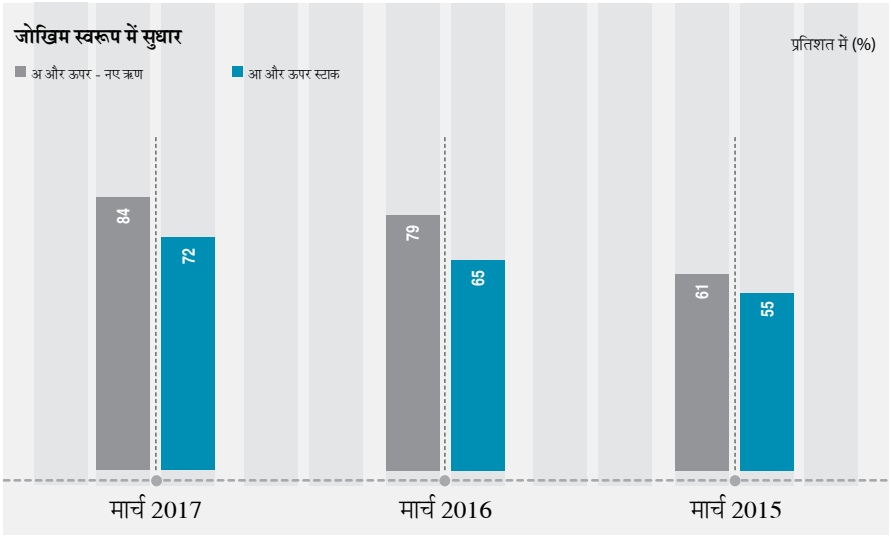

विकास में सहयोगी और मूल्य सृजन के लिए समर्पित

... युगांतरकारी नीतियों के साथ उभरता एक एकीकृत महासंगठन

एसबीआई में इसके सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक का विलय, भारतीय बैंकिंग उद्योग में अब तक का पहला सबसे बड़ा एकीकरण

15,000
प्रति सैकंड लेनदेनों की प्रक्रिया (मर्जर के बाद)

₹ 9,01,642
करोड़
ट्रेजरी कारोबार (मर्जर के बाद) विरुद्ध ₹7,25,421 करोड़ मर्जर से पहले

23.07%
&
21.16%
एसबीआई का मार्केट शेयर (मर्जर के बाद)
जमा एवं अग्रिम में

एसबीआई में हमारा मानना है कि विलय के दूरगामी लाभ निकट भविष्य की चुनौतियों के मुकाबले कहीं अधिक होंगे।

दिनांक 01.04.2017 को पांच सहयोगी बैंकों एवं भारतीय महिला बैंक का आपके बैंक में विलय हुआ है । सहयोगी बैंक जिनका विलय हुआ है- स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद और स्टेट बैंक ऑफ पटियाला और भारतीय महिला बैंक।

व्यवसाय की दृष्टि से इस एकीकरण के बैंक को बड़े दीर्घावधि लाभ मिलेंगे। इस विलय के द्वारा हमने अपनी पहुंच और नेटवर्क को कई गुना बढ़ा लिया है। ट्रेजरी कारोबार के एक साथ आ जाने से बहुत फायदा होगा। एसबीआई की गिनती अब विश्व के सबसे बड़े बैंकों में होने लगी है। इन सभी बैंकों को मिलाने के बाद ट्रेजरी कारोबार ₹9,01,642 करोड़ के साथ शाखाओं की कुल संख्या 24,017 और एटीएम मशीनें 59,263 हो गई हैं। इस विलय से कारोबारी सामंजस्य का लाभ मिलेगा। बैंक नए ग्राहकों तक पहुंच सकेगा, और हमारे बाजार अंश में सुधार होगा। अब बैंक नए ग्राहकों की संख्या 42.04 करोड़ हो गई है और जमा एवं अग्रिमों में इसका बाजार अंश क्रमशः 23.07% एवं 21.16% हो गया है जबकि विलय से पूर्व यह क्रमशः 18.05% और 17.02% था। इस विलय के बाद, भारत के अगले सबसे बड़े बैंक का जमा एवं अग्रिमों में बाजार अंश एसबीआई के भारी भरकम कारोबार के मुकाबले मात्र क्रमशः 5.96% और 7.04% रह गया है।

एक बढ़ रहे संगठन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एसबीआई में मजबूत कारोबारी ढांचा मौजूद है। विलय के बाद हम प्रति सेकंड 15,000 लेनदेनों की प्रक्रिया पूरी कर पाएंगे जबकि इसके पहले प्रति सेकंड केवल 4,600 लेनदेन ही प्रक्रियागत हो पाते थे। कारोबार की मात्रा बढ़ने और साझा खर्चों को युक्तिसंगत बनाए जाने से पर्याप्त बचत होगी। इसके अलावा, कुशल संसाधनों के नए सिरे से कारगर नियोजन से बैंक की उत्पादकता भी निरंतर बढ़ने की उम्मीद है।

इस विलय से एसबीआई की कायापलट हो गई है। इससे भारत के सबसे बड़े ऋण प्रदाता की गिनती विश्व के 50 शीर्ष बैंकों में होने लगी है। विलय के बाद बैंक की कुल जमाराशियां ₹25.85 लाख करोड़ और ऋण बही ₹18.62 लाख करोड़ की हो गई है। इस विलय का सुदृढ़कारी प्रभाव होगा, जिससे बैंक की ताकत बढ़ेगी और कर्जदारों को भी फायदा होगा। बैंक को आकार-वृद्धि और खर्च में कमी का लाभ मिलेगा जिससे कारोबार करने की लागत कम होगी और कर्जदारों को सस्ती दरों पर ऋण मिलेगा।

एसबीआई में हमारा मानना है कि विलय के दूरगामी लाभ निकट भविष्य की चुनौतियों के मुकाबले कहीं अधिक होंगे। कम लागत, बेहतर पहुंच और खर्च में कमी इस विलय के प्रमुख लाभ होंगे। इससे एसबीआई को चिरस्थायी मूल्य सृजनकर्ता बनने के मिशन को पूरा करने में मदद मिलेगी।

एसबीआई समूह संरचना

31 मार्च, 2017 को

एसबीआई

देशीय बैंकिंग अनुषंगियाँ

- 75.07% स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
- 100% स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
- 90% स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
- 100% स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
- 79.09% स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर

गैर- बैंकिंग अनुषंगियाँ / संयुक्त उद्यम

- 100% एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.
  - एसबीआई कैप सिक्युरिटीज लि.
  - एसबीआई कैप वेंचर्स लि.
  - एसबीआई कैप (यू के लि.)
  - एसबीआई कैप ट्रस्टीज कंपनी लि.
  - एसबीआई कैप (सिंगापुर लि.)
- 63.78% एसबीआई डीएफएचआई लि.
- 100% एसबीआई पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि.
- 100% एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 86.18% एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लि.
- 60% एसबीआई पेंशन फंड्स प्रा. लि.
- 63% एसबीआई फंड्स मैनेजमैंट प्रा. लि.
  - एसबीआई फंडस मैनेजमैंट (इंटरनेशनल) प्रा. लि .
- 60% एसबीआई कार्ड्स एण्ड पेमेंट्स सर्विसेज प्रा. लि.
- 70.10% एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि.
- 65% एसबीआई- एसजी ग्लोबल सिक्युरिटीज सर्विसेस प्रा. लि.

(स्वामित्व अंश %)

विदेशी बैंकिंग अनुषंगियाँ/संयुक्त उद्यम

- 74% एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि .
- 49% सी-एज टेक्नोलोजीज लि.
- 40% जी ई कैपिटल बिजनेस प्रोसेस मैनेजमैंट सर्विसेस प्रा. लि.
- 45% मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.

मैकवेरी एसबीआई इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टी प्रा. लि.

- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट प्रा. लि.
- 45% एसबीआई मैकवेरी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्टीज प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्ट्मेंट फंड मैनेजमैंट कंपनी प्रा. लि.
- 50% ओमान इंडिया ज्याइंट इन्वेस्टमेंट फंड-ट्रस्टी कंपनी प्रा. लि.
- 100% एसबीआई फाउंडेशन
- 100% एसबीआई इंफ्रा मैनेजमैंट सॉलूशन्स प्रा. लि.
- 30% जियो पेमेंट्स बैंक लि.

- 100% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (केलिफोर्निया)
- 100% एसबीआई कनाडा बैंक
- 60% कामर्शियल इंडो बैंक एल एल सी. मास्को
- 96.60% एसबीआई मॉरिशस लि.
- 99% बैंक एसबीआई इंडोनेशिया
- 55% नेपाल एसबीआई बैंक लि.
- 100% बैंक एसबीआई बोत्सवाना लि.
- 20% बैंक ऑफ भूटान लि.

रेटिंग्स

31 मार्च 2017 को

	रेटिंग	रेटिंग एजेंसी
बैंक रेटिंग	पोजिटिव/बीएए 3/पी-3/बीए1 बीबीबी-/ स्टेबल/ए-3 बीबीबी-/एफ़ 3/ स्टेबल	मूडीस एस एण्ड पी फिच
₹ लिखत व्यक्त		
नवोन्मेषी बेमियादी ऋण लिखत	एएए/ स्टेबल केयर एएए	क्रिसिल केयर
उच्चतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल केयर एएए	क्रिसिल केयर
निम्नतर टियर II गौण ऋण	एएए/ स्टेबल केयर एएए (आईसीआरए) एएए	क्रिसिल केयर आईसीआरए
बेसल III टियर II	एएए/स्टेबल केयर एएए (आईसीआरए) एएए (एचवाईबी)	क्रिसिल केयर आईसीआरए
बेसल III एटी 1 नवोन्मेषीबेमियादी ऋण	क्रिसिल 'एए +/स्टेबल' "केयर एए+'	क्रिसिल केयर

केयर : क्रेडिट एनालिसिस एण्ड रिसर्च लिमिटेड
आईसीआरए : आईसीआरए लिमिटेड
क्रिसिल : क्रिसिल लिमिटेड
एस एंड पी : स्टेंडर्ड एण्ड पुअर

पिछले 10 वर्षों का वित्तीय प्रदर्शन

	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
देयताएं										
पूंजी (करोड़ ₹)	631	635	635	635	671	684	747	747	776	797
आरक्षित निधियां एवं अधिशेष (करोड़ ₹)	48,401	57,313	65,314	64,351	83,280	98,200	1,17,536	1,27,692	1,43,498	187,489
जमाराशियां (करोड़ ₹)	5,37,404	7,42,073	8,04,116	9,33,933	10,43,647	12,02,740	13,94,409	15,76,793	17,30,722	20,44,751
उधारियां (करोड़ ₹)	51,728	53,713	1,03,012	1,19,569	1,27,006	1,69,183	1,83,131	2,05,150	3,23,345	3,17,694
अन्य (करोड़ ₹)	83,362	1,10,698	80,337	1,05,248	80,915	95,404	96,927	1,37,698	1,59,276	1,55,235
कुल (करोड़ ₹)	**7,21,526**	**9,64,432**	**10,53,414**	**12,23,736**	**13,35,519**	**15,66,211**	**17,92,748**	**20,48,080**	**23,57,617**	**27,05,966**
आस्तियां										
निवेश (करोड़ ₹)	1,89,501	2,75,954	2,85,790	2,95,601	3,12,198	3,50,878	3,98,800	4,81,759	5,75,652	7,65,990
अग्रिम (करोड़ ₹)	4,16,768	5,42,503	6,31,914	7,56,719	8,67,579	10,45,617	12,09,829	13,00,026	14,63,700	15,71,078
अन्य आस्तियां (करोड़ ₹)	1,15,257	1,45,975	1,35,710	1,71,416	1,55,742	1,69,716	1,84,119	2,66,295	3,18,265	3,68,898
कुल (करोड़ ₹)	**7,21,526**	**9,64,432**	**10,53,414**	**12,23,736**	**13,35,519**	**15,66,211**	**17,92,748**	**20,48,080**	**23,57,617**	**27,05,966**
निवल ब्याज आय (करोड़ ₹)	17,021	20,873	23,671	32,526	43,291	44,329	49,282	55,015	57,195	61,860
एनपीए के लिए प्रावधान (करोड़ ₹)	2,001	2,475	5,148	8,792	11,546	11,368	14,224	17,908	26,984	32,247
परिचालन परिणाम (करोड़ ₹)	13,108	17,915	18,321	25,336	31,574	31,082	32,109	39,537	43,258	50,848
कर-पूर्व निवल लाभ (करोड़ ₹)	10,439	14,181	13,926	14,954	18,483	19,951	16,174	19,314	13,774	14,855
निवल लाभ (करोड़ ₹)	6729	9121	9,166	8,265	11,707	14,105	10,891	13,102	9,951	10,484
औसत आस्तियों से आय (%)	1.01	1.04	0.88	0.71	0.88	0.97	0.65	0.68	0.46	0.41
ईक्विटी से आय (%)	17.82	15.07	14.04	12.84	14.36	15.94	10.49	11.17	7.74	7.25
आय की तुलना में व्यय (%) (निवल आय की तुलना में परिचालन व्यय)	49.03	46.62	52.59	47.6	45.23	48.51	52.67	49.04	49.13	47.75
प्रति कर्मचारी लाभ (000 ₹)	373	474	446	385	531	645	485	602	470	511
प्रति शेयर आय (₹)	126.62	143.77	144.37	130.16	184.31	210.06	156.76	17.55	12.98	13.43
प्रति शेयर लाभांश (₹)	21.5	29	30	30	35	41.5	30	3.5	2.60	2.60
एसबीआई शेयर (एनएससी में मूल्य) (₹)	1,600.25	1,067.10	2,078.20	2,765.30	2,096.35	2,072.75	1,917.70	267.05	194.25	293.40
लाभांश भुगतान अनुपात %(₹)	20.18	20.19	20.78	23.05	20.06	20.12	20.56	20.21	20.28	20.11
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)										
बासेल-II (₹करोड़ में)	N.A.	85,393	90,975	98,530	1,16,325	1,29,362	1,45,845	1,54,491	1,81,800	2,06,685
बासेल-II (%)		14.25	13.39	11.98	13.86	12.92	12.96	12.79	13.94	13.56
टियर I (₹करोड़ में)	N.A.	56,257	64,177	63,901	82,125	94,947	1,12,333	1,22,025	1,35,757	1,56,506
टियर I (%)		9.38	9.45	7.77	9.79	9.49	9.98	10.1	10.41	10.27
टियर II (₹करोड़ में)	N.A.	29,136	26,798	34,629	34,200	34,415	33,512	32,466	46,043	50,179
टियर II (%)		4.87	3.94	4.21	4.07	3.43	2.98	2.69	3.53	3.29
बासेल-III (₹करोड़ में)	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,40,151	1,46,519	1,75,903	2,04,731
बासेल-III (%)							12.44	12	13.12	13.11
टियर I (₹करोड़ में)	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	1,09,547	1,17,157	1,33,035	1,61,644
टियर I (%)							9.72	9.6	9.92	10.35
टियर II (₹करोड़ में)	N.A.	N.A	N.A	N.A	N.A	N.A	30,604	29,362	42,868	43,087
टियर II (%)							2.72	2.4	3.20	2.76
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल एनपीए (%)	1.78	1.79	1.72	1.63	1.82	2.1	2.57	2.12	3.81	3.71
देश में शाखाओं की संख्या	10,186	11,448	12,496	13,542	14,097	14,816	15,869	16,333	16,784	17,170
विदेश-स्थित शाखाओं/कार्यालयों की संख्या	84	92	142	156	173	186	190	191	198	195

*22 नवंबर 2014 से बैंक के शेयर के अंकित मूल्य को ₹10 प्रति शेयर से ₹1 प्रति शेयर किया गया। वर्ष 2014-15 से आँकड़ें ₹1 प्रति शेयर और शेष पिछले वर्ष के लिए ₹10 प्रति शेयर के अनुसार हैं।

निष्पादन संकेतक

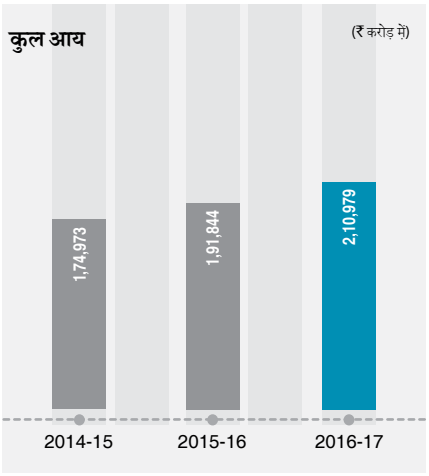
कुल आय
(₹ करोड़ में)
1,74,973
1,91,844
2,10,979
2014-15
2015-16
2016-17

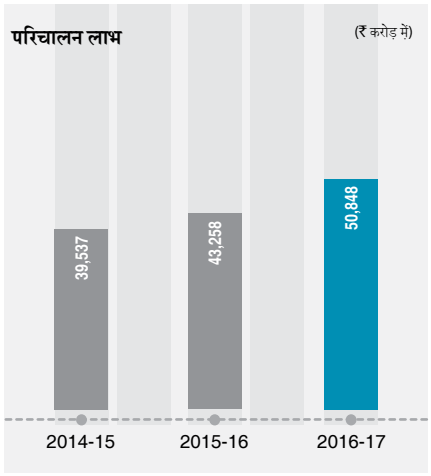
परिचालन लाभ
(₹ करोड़ में)
39,537
43,258
50,848
2014-15
2015-16
2016-17

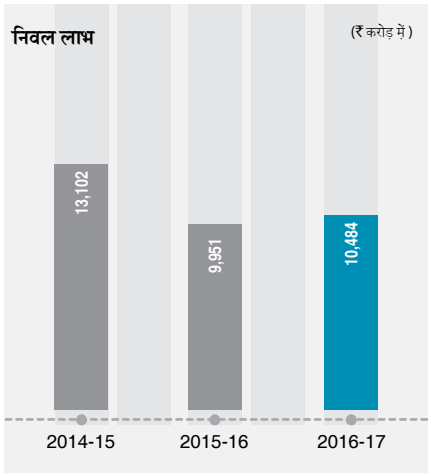
निवल लाभ
(₹ करोड़ में)
13,102
9,951
10,484
2014-15
2015-16
2016-17

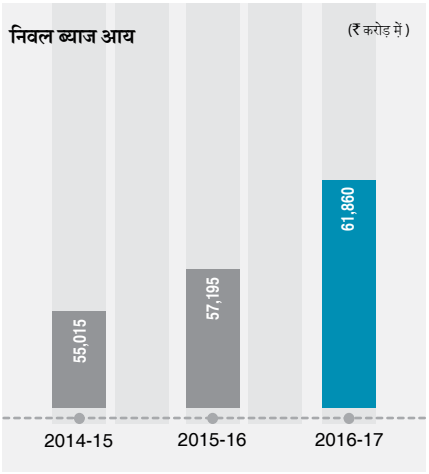
निवल ब्याज आय
(₹ करोड़ में)
55,015
57,195
61,860
2014-15
2015-16
2016-17

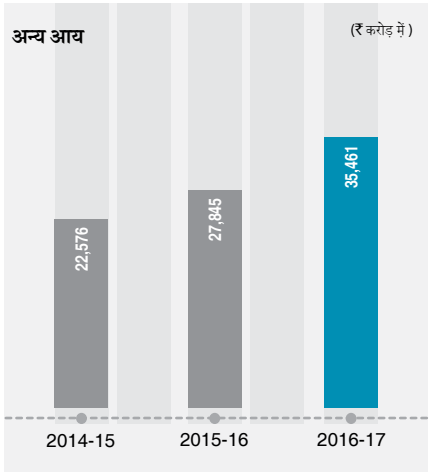
अन्य आय
(₹ करोड़ में)
22,576
27,845
35,461
2014-15
2015-16
2016-17

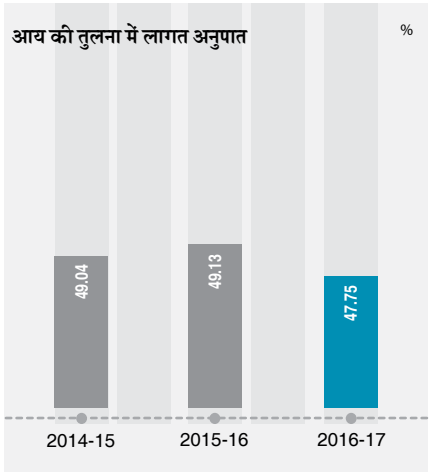
आय की तुलना में लागत अनुपात
%
49.04
49.13
47.75
2014-15
2015-16
2016-17

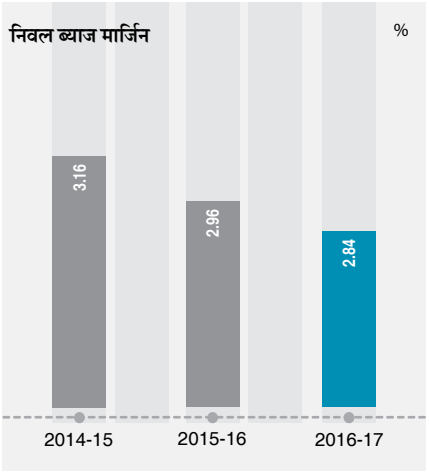
निवल ब्याज मार्जिन
%
3.16
2.96
2.84
2014-15
2015-16
2016-17

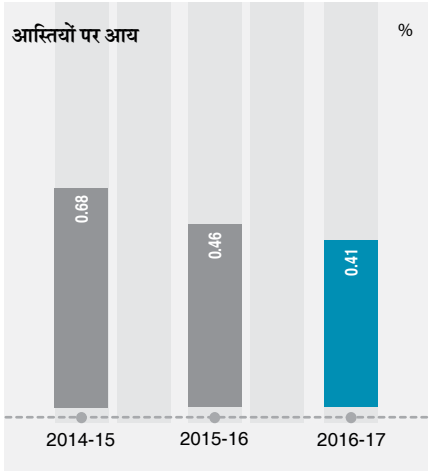
आस्तियों पर आय
%
0.68
0.46
0.41
2014-15
2015-16
2016-17

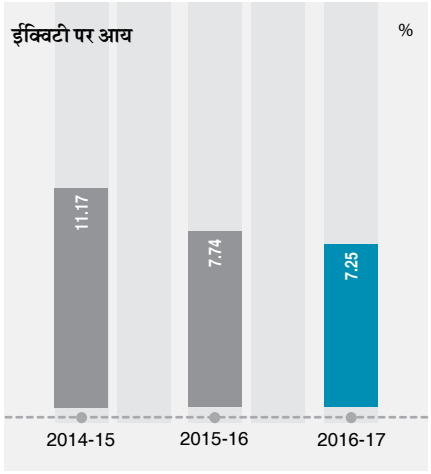
ईक्विटी पर आय
%
11.17
7.74
7.25
2014-15
2015-16
2016-17

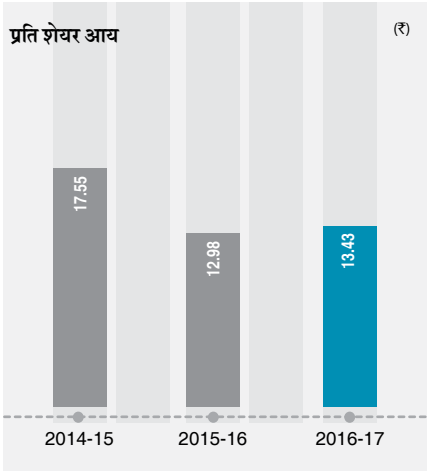

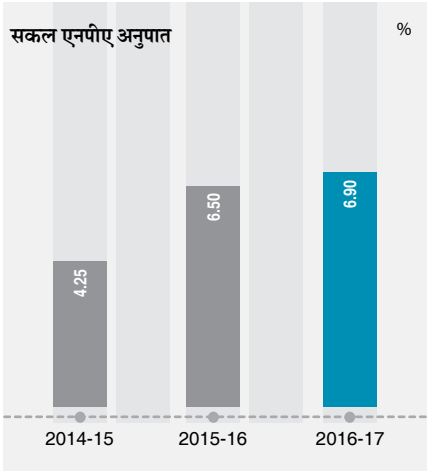

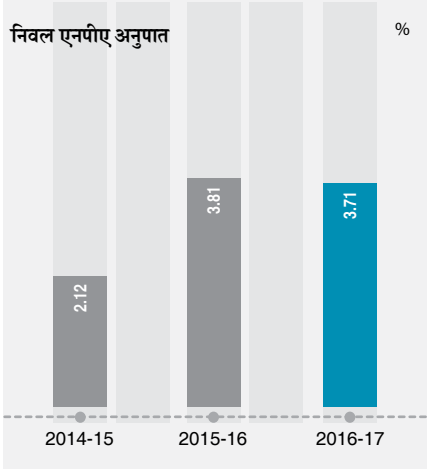

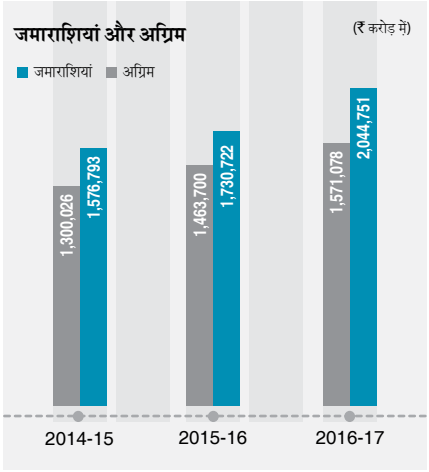

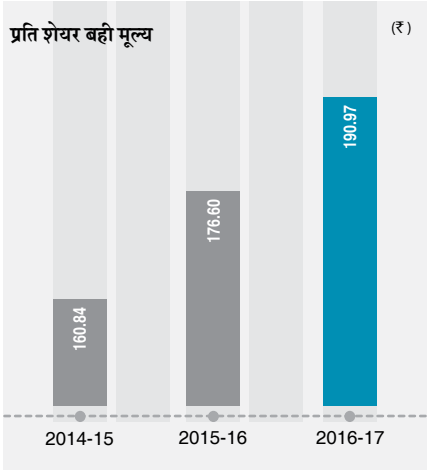

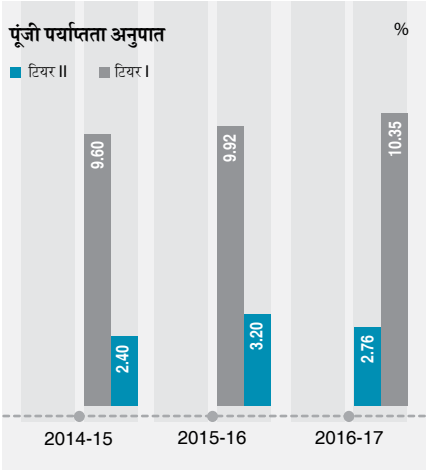

वित्त वर्ष 2016-17 में अर्जन

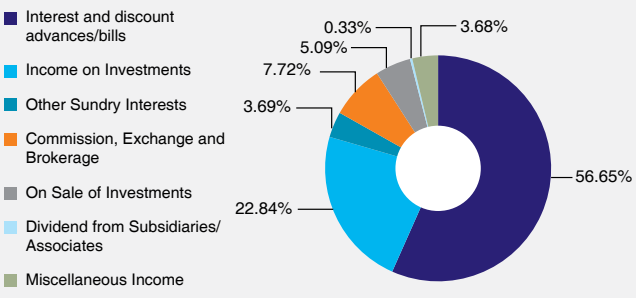

वित्त वर्ष 2016-17 में खर्च

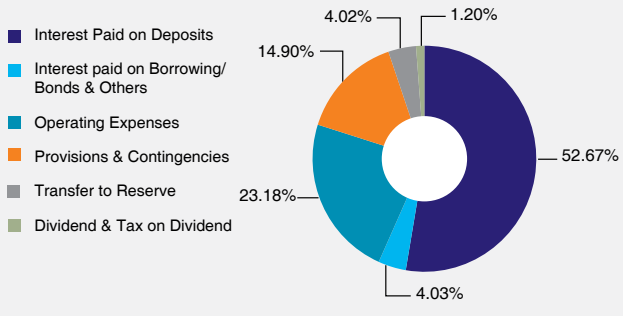

केंद्रीय निदेशक बोर्ड

19 मई 2017 को

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य
अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबंध निदेशक

श्री रजनीश कुमार
प्रबंध निदेशक

श्री पी. के. गुप्ता
प्रबंध निदेशक

श्री दिनेश कुमार खारा
प्रबंध निदेशक

श्री संजीव मल्होत्रा
शेयरधारक निदेशक

श्री एम. डी. माल्या
शेयरधारक निदेशक

श्री दीपक आई. अमीन
शेयरधारक निदेशक

डॉ. गिरीश के. आहुजा
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

डॉ. पुष्पेंद्र रॉय
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

सुश्री अंजुली चिब दुग्गल
सचिव, डीएफएस
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

श्री चंदन सिन्हा
ईडी आरबीआई
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक

अध्यक्ष
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य

प्रबंध निदेशक
श्री बी. श्रीराम
श्री रजनीश कुमार
श्री पी. के. गुप्ता
श्री दिनेश कुमार खारा

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ग) के अंतर्गत निर्वाचित निदेशक
श्री संजीव मल्होत्रा
श्री एम. डी. माल्या
श्री दीपक आई. अमीन

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(घ) के अंतर्गत निदेशक
डॉ. गिरीश के. आहूजा
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(ङ) के अंतर्गत निदेशक
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत निदेशक
श्री चंदन सिन्हा

बोर्ड की समितियां
(19 मई 2017 को)

केंद्रीय बोर्ड की कार्यकारिणी समिति (ईसीसीबी)
अध्यक्ष
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य

प्रबंध निदेशक,
श्री बी. श्रीराम, श्री रजनीश कुमार,
श्री पी. के. गुप्ता और श्री दिनेश के. खारा

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(च) के अंतर्गत नामित निदेशक (भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती), अर्थात श्री चंदन सिन्हा और भारत में हो रही बैठक-स्थल के निवासी या बैठक के समय उस स्थान पर उपस्थित सभी या अन्य कोई निदेशक।

बोर्ड की लेखा-परीक्षा समिति (एसीबी)
डॉ. गिरीश के. आहूजा, निदेशक-समिति के अध्यक्ष
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई अमीन, निदेशक-सदस्य
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल, भारत सरकार की नामिती-सदस्य
श्री चंदन सिन्हा, भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती-सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक (कारपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)
श्री पी. के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक-सी एवं आर-सदस्य (पदेन)

बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी)
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक-कॉरपोरेट बैंकिंग समूह-सदस्य-(पदेन) समिति के अध्यक्ष
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक-सी एवं आर-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम.डी.माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई अमीन, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की हितधारक संबंध समिति (एसआरसी)
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई अमीन, निदेशक-सदस्य
डॉ. गिरीश के. आहूजा, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह-सदस्य (पदेन)
श्री दिनेश के. खारा, प्रबंध निदेशक, सहयोगी एवं अनुषंगी (पदेन)

बड़ी राशि की धोखाधड़ी की निगरानी करने के लिए बोर्ड की विशेष समिति (एससीबीएमएफ)
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)- समिति के अध्यक्ष
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक (सी एंड आर)-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमीन, निदेशक-सदस्य
डॉ. गिरीश के आहूजा, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की ग्राहक सेवा समिति (सीएससीबी)
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (कारपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमीन, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति समिति (आईटीएससी)
श्री दीपक आई. अमीन, सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य (पदेन)
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक (सी एंड आर)-सदस्य (पदेन)

कारपोरेट सामाजिक दायित्व समिति (सीएसआर)
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह-सदस्य (पदेन)-समिति के अध्यक्ष
श्री दिनेश के. खारा, प्रबंध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा, निदेशक-सदस्य
श्री एम. डी. माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमीन, निदेशक-सदस्य
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की पारिश्रमिक समिति (आरसीबी)
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल, भारत सरकार के नामिती-सदस्य (पदेन)
श्री चंदन सिन्हा, भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती-सदस्य (पदेन)
श्री एम डी माल्या, निदेशक-सदस्य
श्री दीपक आई. अमीन, निदेशक-सदस्य

बोर्ड की वसूली निगरानी समिति (बीसीएमआर)
श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य, अध्यक्ष
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग समूह)-सदस्य
श्री रजनीश कुमार, प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)-सदस्य
श्री पी.के. गुप्ता, प्रबंध निदेशक (सी एंड आर)-सदस्य
श्री दिनेश के. खारा, प्रबंध निदेशक (सहयोगी एवं अनुषंगी)-सदस्य
सुश्री अंजुली चिब दुग्गल, भारत सरकार के नामिती-सदस्य (पदेन)

बोर्ड की नामांकन समिति
डॉ. गिरीश के. आहूजा, निदेशक-समिति के अध्यक्ष
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय, निदेशक-सदस्य
श्री चंदन सिन्हा, भारतीय रिजर्व बैंक के नामिती-सदस्य (पदेन)

इरादतन चूककर्ता/असहयोगी ऋणियों के निर्धारण हेतु समीक्षा समिति
श्री बी. श्रीराम, प्रबंध निदेशक - कॉरपोरेट बैंकिंग समूह (सीबीजी) - समिति के अध्यक्ष
बैंक के अन्य दो स्वतंत्र निदेशक

भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 21 (1) (क) के अंतर्गत अध्यक्ष द्वारा नामित स्थानीय बोर्डों के सदस्य, प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय बैंकिंग समूह) से भिन्न (19 मई 2017 को)

अहमदाबाद
श्री संजीव नौटियाल
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

बेंगलुरु
श्री एस. एम. फारुकी शहाब
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भोपाल
श्री के. टी. अजित
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

भुवनेश्वर
श्री बी. वी. जी. रेड्डी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

चंडीगढ़
श्री अनिल किशोरा
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

चेन्नई
श्री बी. रमेश बाबू
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

हैदराबाद
श्री हरदयाल प्रसाद
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

कोलकाता
श्री पार्थ प्रतीम सेनगुप्ता
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

लखनऊ
श्री गौतम सेनगुप्ता
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

मुंबई
श्री दीपंकर बोस
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
श्री संजीव मल्होत्रा*
श्री एम.डी. माल्या*
श्री दीपक आई अमीन*

दिल्ली
श्री आलोक कुमार चौधरी
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)
डॉ. गिरीश के आहूजा*
डॉ. पुष्पेंद्र रॉय*

उत्तर पूर्वी
श्री पी.वी.एस.एल.एन. मूर्ति
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

पटना
श्री अजित सूद
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

तिरुवंतपुरम
श्री एस. वेंकटरमन
मुख्य महाप्रबंधक (पदेन)

* भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 21 (1) (ख) के अनुसार स्थानीय बोर्डों में नामित केंद्रीय बोर्ड के निदेशक

केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य

19 मई 2017 की स्थिति के अनुसार

श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य
अध्यक्ष

श्री बी. श्रीराम
प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट बैंकिंग समूह)

श्री रजनीश कुमार
प्रबंध निदेशक
(राष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

श्री पी. के. गुप्ता
प्रबंध निदेशक
(अनुपालन एवं जोखिम)

श्री दिनेश कुमार खारा
प्रबंध निदेशक
(सहयोगी एवं अनुषंगी)

श्री सुनील श्रीवास्तव
उप प्रबंध निदेशक
(कॉरपोरेट लेखा समूह)

श्री सिद्धार्थ सेनगुप्ता
उप प्रबंध निदेशक
(अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह)

श्रीमती अंशुला कांत
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी

डॉ. एम. एस. शास्त्री
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य जोखिम अधिकारी

श्री जे. पकरीसामी
उप प्रबंध निदेशक
(मिड कॉरपोरेट ग्रुप)

श्री मृत्युंजय महापात्रा
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य सूचना अधिकारी

श्री शेखर कर्णम
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ऋण अधिकारी एवं सीएसओ

श्रीमती मंजु अग्रवाल
उप प्रबंध निदेशक
(डिजिटल बैंकिंग एवं नव व्यवसाय)

श्री वी. सी. नागेश्वर
उप प्रबंध निदेशक
(ग्लोबल मार्केट्स)

डॉ. पल्लव महापात्रा
उप प्रबंध निदेशक
(दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह)

श्री बी. सी. दास
उप प्रबंध निदेशक
(निरीक्षण एवं प्रबंधन लेखा-परीक्षा)

श्री नीरज व्यास
उप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी

श्री प्रशान्त कुमार
उप प्रबंध निदेशक एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी

श्री के. वी. हरीदास
उप प्रबंध निदेशक
(खुदरा व्यवसाय)

बैंक के लेखा-परीक्षक

मेसर्स वर्मा एंड वर्मा
कोचि

मेसर्स वी शंकर अय्यर एंड कंपनी
मुंबई

मेसर्स एस एन मुखर्जी एंड कंपनी
कोलकाता

मेसर्स बी छावछरिया एंड कंपनी
कोलकाता

मेसर्स मनुभाई एंड शाह, एलएलपी
अहमदाबाद

मेसर्स एम.भास्कर राव एंड कंपनी
हैदराबाद

मेसर्स जीएसए एंड एसोसिएट्स
नई दिल्ली

मेसर्स चटर्जी एंड कंपनी
कोलकाता

मेसर्स बंसल एंड कंपनी
नई दिल्ली

मेसर्स अमित रे एंड कंपनी
इलाहाबाद

मेसर्स एस एल छाजेड़ एंड कंपनी
भोपाल

मेसर्स मित्तल गुप्ता एंड कंपनी
कानपुर

मेसर्स राव एंड कुमार
विशाखापट्नम

मेसर्स ब्रम्हय्या एंड कंपनी
चेन्नई